

हिंस (r. हिंस् s. र) *Adj.* internecivus, perniciosus, atrox, saevus. *Subst. m.* bestia rapax, perniciosus. RAGH. 2. 62.

1. हिक्क् 1. P. A. (अव्यक्ते शब्दे क. क्लृप्ते ष्) singultire.

2. हिक्क् 10. A. (हिंसायाम् क. हिंसे ष्) i. q. हिंस.

हिडिम्ब *vel* हिदिम्ब *m. nom. pr.* Hāks'asi.

हिडिम्बा *vel* हिदिम्बा *f. nomen* Hidimbi uxoris.

हिण्ड 1. A. (अनादरे क. अनादरे गतौ ष्; scribitur हिड्) vilipendere, ire. *Cf.* हेड्.

हित *v.* धा et हि.

हिवा *v.* हा.

हिदिम्ब, हिदिम्बा *v.* हिडिम्ब, हिडिम्बा.

हिन्व् 1. P. (प्रीतौ, scribitur हिक्) exhilarare. *Cf.* इन्व्.

हिम (ut videtur, a r. हि, quod hac in formatione fluere significare videtur, suff. म, v. ह्नु) *Subst. m.* nix, v. हिमवत्, हिमालय. *Adj.* frigidus, v. हिमांशु. (*Cf.* slav. ЗИМА *zima* hiems, lith. *ziēma* id., gr. χιὼν, χεῖμα; lat. *hiems, hibernus*; hib. *geimhre, geimhrith, geimhreadh* «winter», v. Pictet p. 66. et हिमकृतु apud Wils. ed. 2.; *gamh* «winter, cold».)

हिमवत् *m.* (nive praeditus, a praec. suff. वत्) nomen montis, *Himavans.*

हिमांशु *m.* (frigidus radios habens, BAH. e हिम et अंशु) luna. AM.

हिमानी *f.* (a हिम s. आन in fem.) nix. NALOD. 2. 5.

हिमालय *m.* (nive sedes, e हिम et आलय domus, sedes) *Himālayus*, cognomen *Himavantis* montis.

हिरण्य (forma anomal. a हिरण्य aurum s. मय) aureus. IN. 2. 24.

हिरण्य *n.* 1) aurum. N. 9. 12. 2) divitiae, opes.

हिरण्यकशिपु *m.* (e praec. et कशिपु 1) cibus. 2) vestimentum, in *Du.* cibus et vestimentum) *nom. pr.* Asuri. SU. 1. 2.

हिरण्यपुर *n.* (e हिरण्य et पुर) nomen urbis *Asurorum.* A. 10.

हिल् 6. P. (हावकारणे क. हावकृतौ ष्) nugari, ineptire, ludicra agere, de feminis amore captis. Wils. «to ex-

press amorous inclination, to dally, to wanton, to sport amorously» (v. हाव).

हीन *v.* हा.

हु 3. P. गुहोमि. Diis offerre, sacrificare, litare. SU. 1. 9.:

आत्ममांसानि गुह्वतौ; BH. 9. 27.: यज्ञ गुहोषि ददासि यत्; MAN. 4. 22.: एतान् एके महायज्ञान् ... इन्द्रियेषु एव गुह्वति; RAGH. 13. 45.: तनुम् अय्य अहौषीत्; MAH. 3. 10761.: गुहावा गौ जटाम्; R. Schl. II. 41. 9.: अग्निहोत्राय अह्वयत्; DR. 6. 21. — C. acc. personae cui sacrificatur. SA. 1. 25.: ज्वा ग्निम्; MAN. 2. 186.: गुह्वयात् समिद्धिर् अग्निम्; MAH. 2. 1154.: यो गुह्वयाद् विभुम्. — ज्त 1) sacrificatus. BH. 1. 24., v. जताश, ज्तभुज्. 2) is cui sacrificatum est. SA. 1. 21.: सावित्र्या ज्तया. — Caus. हावयामि sacrificare facio. R. Schl. II. 25. 25. (ज् e धु vel धू, gr. Θῦ, Θύω, Θυσία, Θύμα, Θύτης cet., v. धूम et gr. 104.)

c. उत् प्रae. अभि i. q. simpl. RAGH. 1. 53.

1. हुड् 1. A. (गतौ) ire. *Cf.* छड्.

2. हुड् 6. P. (सङ्गते क. मग्ने सङ्गे ष्) colligere, coacervare, submergi. *V. sq.*

हुण्ड 1. P. (सङ्गते क. सङ्गे ष्) colligere, coacervare. *V. 2.* हुड्.

हुर्क 1. P. (कौटिल्ये proprie हुर्क, unde हुर्कामि, गुह्वर्क cet., v. मुर्क) inflexum esse.

हुल् 1. P. (हतौ क. हतौ क्दि ष्) ferire, occidere, tegere. *Cf.* हन्.

ज्तभुज् *m.* (qui sacrificatum edit e ज्त et भुज्) ignis, et deus ignis. UR. 6. 13. *V. sq.*

ज्तवह *m.* (e ज्त et वह ferens, auferens) *id.* RITU-S. 1. 27.

जताश *m.* (e ज्त et अश edens) *id.* N. 4. 9.

जताशन *m.* (e ज्त et अशन edens) *id.* N. 5. 38.

ज्ज *m. nom. pr.* Gandharvi. IN. 2. 14.

झङ्कार *m.* (ex Interj. ह्म् et कार confectio) actio mysticam syllabam ह्म् exclamandi. R. Schl. I. 75. 17. DEV. 6. 9. UP. 22.